तिरंगे से बनेगी बिजली आईआईटी ने की रिसर्च

इंदौर। पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा के लिए पवन चक्की और सोलर पैनल का उपयोग किया जाता रहा है, लेकिन इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर ने एक ऐसा उपकरण तैयार किया है, जिसमें तिरंगे झंडे से मिलने वाली ऊर्जा को इलेक्ट्रिसिटी में बदला जा सकेगा। संस्थान के प्रो. डॉ. विपुल सिंह और डॉ. पलानी ने पीजोइलेक्ट्रिक ऊर्जा संचयन उपकरण तैयार किया है। इसमें तिरंगे झंडे के मूवमेंट को एयरप्रेशर में बदलकर ऊर्जा बनाने में सफलता मिली है। इस तकनीक में तिरंगे झंडे को काफी ऊंचाई पर बांधना होता है। तिरंगा जितनी अधिक ऊंचाई पर तेजी से लहराएगा उससे जुड़ा उपकरण उस ऊर्जा को बिजली में बदल देगा। इस तरह की तकनीक में मौसम पर निर्भरता नहीं रहती है।

Nai Dunia (Indore), 25th March 2019, Page-7